अनुवाद के क्षेत्र में रोजगार की संभावनाएँ

डॉ.बबन चौरे
अध्यक्ष,हिंदी विभाग
बाबुजी आव्हाड महाविदयालय
पाथर्डी जि. अहमदनगर
भ्रमण भाष़ . 09423045870

आज हिंदी भाषा केवल साहित्य और बोलचाल की भाषा नही है । इस भाषा के माध्यम से रोजगार की अनेक संभावनाएँ सामने आ रही हैं । यह संभावनाएँ सागर की तरह विशाल विस्तृत और व्यापक है । जिन लोंगो के दिल में कुछ अलग कर गुजरने की चाह है उन्हें यह संभावनाओं का सागर बुला रहा है । संभावनाओं के इस सागर की अनेक दिशाएँ और अनेक शाखाएँ हैं । जिस प्रकार अनुवाद की जरूरत साहित्य के क्षेत्र में है उसी प्रकार साहित्यतर क्षेत्र में भी अनुवाद की अत्यंत जरूरत है ।वैश्वीकरण ने अनुवाद के क्षेत्र को नई उँचाईयोंपर पहूचाया है। सूचना क्रांती के इस दौर में अब भाषा कोई रूकावट नही रही है । अब जब कि नई तकनीकी के जरिए सभी एक दूसरे के नजदिक आ गए है । तब सूचना के आदान –प्रदान में भाषा का महत्व और भी उभरकर सामने आया हैं। वास्तव में हर देश, प्रांत और संस्कृति कि भाषा में अनेक महत्व पुर्ण बाते होती है या जन्म लेती है जिसे दुसरी भाषा के लोग भी जानने को इच्छूक होते है। जब कोई भी महत्वपूर्ण कृति, ज्ञान या कोई अन्य सूचना ज्यादा से ज्यादा अन्य भाषा ,प्रांत या देश के लोगोंतक पहुँचती है तो वह कृति कालजयी बनती है ।इसके लिए अवशकता हाती है अनुवाद की । एक अच्छे अनुवादक के लिए अनेक क्षेा में रोजगार की अपार संभावनाएँ मौजुद है । सभी सरकारी कार्यलयों में ,सरकारी उपक्रमों, बैंको , एनजीओं आदि क्षेत्रमें अनुवादकोंकि नियुक्तियॉ होती है । इसके अलावा राज्य तथा केंद्र सरकार के सचिवालय, मंत्रालय ,आकाशवाणी ,पत्रकारिता जगत,अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय वाले संस्थान, फिल्म ,साहित्य ,प्रकाशन आदि क्षेत्रो में भी अनुवादक कि नियुक्तियॉ होती हैं ।

हम यहॉ प्रथमतः साहित्येतर क्षेत्र में अनुवाद को लेकर रोजगार कि सभावनाओं पर विचार करेगें ।

सरकारी कार्यालय :

सरकारी कार्यालय में पत्रव्यवहार से लेकर महत्वपुर्ण उपक्रमों को जनता तक पहुचाने के लिए अनुवादक कि जरूरत पडती है।विभिन्न भाषी देश में जसे भारत का उदा. लेतो केंद्र सरकार की अनेक योजनाओंको विभिन्न प्रांतो में उनकी भाषा मे पहूचाने के लिए

अनुवाद की जरूरत रहती हैं । अनुवादक का स्वतंत्र पद कार्यालय में होता हैं । देश के विभिन्न भाषाओं के साथ साथ विदेशी भाषाओं में पत्र व्यवहार करने के लिए भी अनुवादक की जरूरत होती हैं । इस क्षेत्रमें काम करने वाले लोगोंका वेतन भी राज पत्रित अधिकारी के वेतन तक पहुॅचता है ।

समाचार पत्र : –

समाचार पत्र के लिए सबसे अधिक महत्वपूर्ण कार्य अनुवादक का होता है । राष्ट्रीय स्तंर के समाचार पत्रों के लिए विभिन्न प्रदेश से जानकारियॉ ,घटनाऍ हासिल करनी पडती है । वह घटनाऍ या जानकारियॉ केवल एक ही भाषा से सम्बन्धित नहीं होती । तब उन्हें समाचार पत्रों की भाषा में अनुवाद करना पडता है । इतना ही नही तो पी.टी.आय ,यु.एन आय जैसी समाचार ऐजन्सियों के समाचार अक्सर अंग्रेजी में होते हैं तब उनका अंग्रेजी से समाचार पत्रों कि भाषा में अनुवाद करना करता पडता है । ऐसी स्थिति में अनुवाद के बिना काम नही चल सकता। समाचार पत्रों के समाचार प्राप्त करने के प्रमुख स्रोत यह समाचार ऐजेन्सिया होती है । विभिन्न प्रदेशों कि घटनाऍ भी पहले उस प्रदेश की भाषा में और बादमें अनुवाद के माध्यम से समाचार पत्रोंकी भाषा में पहुॅचती है । संक्षेप में पत्रकारिता के क्षेत्रों में हिंदी अनुवाद को लेकर रोजगार की अपार सभावनाऍ है और धीरे धीरे वह और भी व्यापक बन रही है।

अवकाश वाणी/ रिडिओ :–

आकाशवाणी या रिडिओ भी हिंदी अनुवाद को लेकर रोजगार के अनेक क्षेत्र के प्रस्तुत करता है । आज रिडिओ पर अलग अलग भाषाओं में कार्यक्रम प्रस्तुत होते

है । किसी एक कार्यक्रम को अनेक लोगोंतक पहुॅचाने के लिए उसका अनुवाद करना पडता है ।यह अनुवाद करने के लिए इस क्षेत्र में खास पद होते हैं। बी.बी.सी जैसे आवकाशवाणी केंद्र से प्रसारित होने वाले समाचारो में विभिन्न देशों के प्रमुख व्यक्तियों के वक्तव होते हैं। उन वक्तव्यओं को समाचार की भाषा में प्रस्तुत करने के लिए अनुवादक कि जरूरत होती हैं। विविधभारती जैसे आकाशवाणी केंद्रसे प्रसारित अनेक कार्य्रक्रम प्रादेशिक भाषाओं सें अनुवादित करने के बाद प्रसारित होते है ।अनेक साहित्य कृतियों पर बने कार्यक्रम जो विभिन्न भाषोओं की साहित्य ` कृतियों से सम्बिन्धित होते है उन्हे भी हिंदी में प्रस्तुत किया जाता है । रिडिओ पर प्रसारित होने वाले समाचार को अंग्रेजी ,हिंदी, संस्कृत, तथा अन्य भारतीय भाषाओं में प्रसारित होते हैं। यहॉ भी बिना अनुवाद के काम नही चल सकता । आकाशवाणी पुणे से संस्कृत,मराठी ,हिंदी, और अंग्रेंजी मे समाचार सुने जा सकते हैं। संक्षेप में आकाशवाणी का क्षेत्र भी हिंदी अनुवादकों के लिए रोजगार के अनेक मार्ग उपलब्ध करता है।

दूरदशन :–

दूरदर्शन अर्थात टी.व्ही ने भी हिंदी अनुवादको के लिए रोजगार के अनेक रास्ते निर्माण किए हैं । अनेक अंतर्राष्ट्रीय चैनल जैसे नेट वाईल्ड, हिस्ट्री, नेशनल जिओग्रॉफी,डिस्कव्हरी, ॲनिमल प्लॅनेट आदि चैनल से प्रसारित होते वाले कार्यक्रम एक ही समय पर अनेक भाषा ओं में सुने जा सकते हैं । इसमें प्रमुख स्थांन हिंदी का हैं ।इन चैनलो को संपूर्ण कार्यक्रम अलग अलग भाषाओं में प्रसारित करते पडते हैं । तब हम समझ सकते है कि हिंदी अनुवादकों की कितनी अहमियत होती हैं । बच्चों के लिए प्रस्तुत चैनल जैसे हंगामा,कार्टुन, नेटवर्क,सी बेबी एक ही काय्रक्रम एक ही वक्त अनेक भाषाओं के माध्यम से प्रसारित करते हैं और वहॉ भी प्रमुख भाषा है हिंदी । दूरदर्शन के समाचार हो, या विभिन्न कार्यक्रम अनुवाद के माध्यम से लोंगो तक पहूॅचाये जाते हैं । इसलिए` हिंदी अनुवाद के लिए दूरदर्शन का क्षेत्र रोजगार की अनेक दिशाएॅ और मार्ग सामने रखता हैं ।

सिनेमा :–

सिनेमा में महत्वपूर्ण स्थान होता है संवाद का ।यह संवाद जिस भाषा में हो सिनेमा उसी भाषाका माना जाता है । एक समय था जब एक भाषा में बना सिनेमा उसी भाषा तक सीमित रहता था। पंरतु आज सिनेमा चाहे किसी भाषा में बना हो वह अनुवाद के जरिए अनेक भाषाओं में पहुॅचता है । अनेक विदेशी फिल्में आज प्रादेशिक भाषाओं तक पहूॅच गयी है । भारत मे सबसे अधिक फिल्मों का निर्माण दक्षिण भारत मे ं होता है । अब तक दक्षिण भारत की फिल्में उन भाषाओं तक सीमित रहती थी लेकिन आज अनुवाद के माध्यम से अनेक दक्षिण भारतीय फिल्में हिदी में पहूॅच गयी है। इसका कारण है अनुवाद । हजारो फिल्मों का हिंदी में अनुवाद हो रहा है और हजारो फिल्में आज भी हिंदी अनुवाद कि प्रतिक्षा मे है। यह हिंदी अनुवादक के लिए रोजगार की नये स्रोत उपलब्ध करवाकर दे रही है । अनेक अग्रेंजी ,चीनी फिल्मों के संवाद हिंदी में अनुवादित किए जा रहे है ।

यहॉ यह बात याद रखनी होगी कि फिल्मों के संवादों का यहॉ केवल अनुवाद नहीं होता तो उसका भावानुवाद भी होता है । हिंदी अनुवाद के लिए यह क्षेत्र रोजगार के नये अवसर निर्माण कर रहा है । डॉ दुर्गेश शर्मा के शब्दों में ''हर भाषा के लिए अनुवाद और अनुवादक का विशेष महत्व रहता है । जितना काबिल अनुवादक होगा उतना ही बेहतर अनुवाद होगा । अनुवादकों की मांग आज उभरकर आरही है । यही से रोजगार की प्रभावी दिशा शुरू होती है '' । (1)संक्षेप में सिनेमा अनुवादकों के लिए खासकर हिंदी अनुवादकों के लिए रोजगार की अनेक संभावनाओसे भरा क्षेत्र है ।

साहित्य :–

साहित्य के क्षेत्र में अनुवाद का अत्यंत महत्वपुर्ण स्थान है। हजारों भाषाओं में,हजारों विधाओं में विभिन्न प्रकार का साहित्य लिखा जा रहा है । किसी भी साहित्यकार की यह इच्छा होती है कि उसका साहित्य अधिकाधिक लोगों तक पहूँचे । यह तभी संभव है जब उसके साहित्य का अनुवाद अन्य भाषाओं में हो । अब वह जमाना नही रहा कि देवकीनन्दन खत्री के उपन्यासों को पढने के लिए लोगों ने हिंदी सीखी थी । अब आपको पाठकों की भाषा तक खुद ही पहूँचना होगा । इसके लिए अनवाद के सिवा आपके पास दुसरा उपाय नही है । अनुवाद के माध्यम से आज विभिन्न प्रदेशों,देशो के साहित्यकार भाषा ,प्रांत और देश कि सिमाएँ लॉध कर अन्य भाषी पाठकों तक पहूँच गये है । आज भी ऐसी अनेक कृतियॉ अनुवाद कि प्रतिक्षा में है जो अन्य भाषी पाठकों तक पहूँचना चाहती है। भारतीय भाषाओंका उदा. ले तो भारतीय भाषाओं में साहित्य का भंडार बिखरा पडा हुआ हैं उसका हिंदी में अनुवाद करके और लोक साहित्य के भी अनुवाद के माध्यम से अन्यभाषी पाठकों तक पहूँचा जा सकता है j इस क्षेा में अनेक अनुवादकों की जरूरत है । इससे स्पष्ट होता है कि साहित्य के क्षेा में हिदी अनुवाद को लेकर रोजगार की अपार संभावनाएँ है।

अंत मे डॉ पुरनचंद टंडन के शब्दों में हम यही कहना चाहेगे कि ''वास्तव में आज जरूरत इस बात की है कि या तो हिंदी भाषी तथा हिंदी के विद्वान लोग, साहित्यकार,

पत्रकार ,कलाकार,अध्यापक,प्राध्यापक विज्ञान तथा तकनीकी के,उद्योग तथा प्रौद्योगिकी विषयों को, अनुशासनों के हिंदी में लाएँ या इन क्षत्रों और अनुशासनों के विशेषज्ञ हिंदी के माध्यम से इन विषयों को जन जन तक पहूँचाऐं । इससे ज्ञान एवं प्रतिभा का दोहरा विकास होगा और अंततः राष्ट्र प्रगति करेगा ''। (2)संक्षेप में हम यही कहना चाहेगें की अनुवाद को लेकर रोजगार कि अनेक संभावनाऐं है और निर्माण भी होगी जिससे नई पीढि आत्मसमान के साथ जीवन व्यापक करेगी ।

संदर्भ :

(1) रोजगार जरा हटके – डॉ.दुर्गेश शर्मा पृष्ठ – 76

(2) सूचना प्रौद्योगिकी हिंदी और अनुवाद – डॉ.पुरनचंद टंडन पृष्ठ – 81